SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
NOTES-1(TERM-1)

Grade - 7

Subject: HINDI

Prepared by: Suman Yadav

Ls. 8, अपूर्व अनुभव

Prepared Date :

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास (पाठ से)

शब्दार्थ :द्विशाखा - दो शाखाएँ । निजी- स्वयं का । आमंत्रित -बुलावा बुलावा उत्तेजित- उत्साहित । धकियाना - धक्का देना । नाजुक - कोमल । थामना - पकड़ना । तरबतर - डूबा हुआ । हताश - निराश । जोखिम - खतरा । सूमो - जापानी पहलवान। उमंग - जोश।

.प्रश्न 1.यासुकी-चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने के लिए तोत्तो-चान ने अथक प्रयास क्यों किया? लिखिए।

उत्तर-यासुकी-चान तोत्तो-चान का प्रिय मित्र था। वह पोलियोग्रस्त था, इसलिए वह पेड़ पर नहीं चढ़ सकता था, जबकि जापान के शहर तोमोए में हर बच्चे का एक निजी पेड़ था, लेकिन यासुकी-चान ने शारीरिक अपंगता के कारण किसी पेड़ को निजी नहीं बनाया था। तोत्तो-चान की अपनी इच्छा थी कि वह यासुकी-चान को अपने पेड़ पर आमंत्रित कर दुनिया की सारी चीजें दिखाए। यही कारण था कि उसने यासुकी-चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने के लिए अथक प्रयास किया।

प्रश्न 2. दृढ़ निश्चय और अथक परिश्रम से सफलता पाने के बाद तोत्तोचान- और यासुकीचान- को अपूर्व अनुभव मिला, इन दोनों के अपूर्व अनुभव कुछ अलगअलग- थे। दोनों में क्या अंतर रहे? लिखिए।

उत्तर- दृढ़ निश्चय और अथक परिश्रम से पेड़ पर चढ़ने की सफलता पाने के बाद तोत्तोचान- और यासुकीचान को अपूर्व अनुभव मिला। इन दोनों के अपूर्व अनुभव का अंतर निम्न रूप में कह सकते हैं। तोत्तोचान-तोत्तो-चान- स्वयं तो रोज़ ही अपने निजी पेड़ पर चढ़ती थी। लेकिन पोलियो से ग्रस्त अपने मित्र यासुकीचान- को पेड़ की द्विशाखा तक पहुँचाने से उसे अपूर्व आत्मसंतुष्टि- व खुशी प्राप्त हुई क्योंकि उसके इस जोखिम भरे कार्य से यासुकीचान- को अत्यधिक प्रसन्नता मिली। मित्र को प्रसन्न करने में ही वह प्रसन्न थी। यासुकीचान-यासुकी-चान- को पेड़ पर चढ़कर अपूर्व खुशी मिली। उसके मन की चाह पूरी हो गई। पेड़ पर चढ़ना तो दूर वह तो निजी पेड़ बनाने के लिए भी शारीरिक रूप से सक्षम न था। उसे ऐसा सुख पहले कभी न मिला था।

प्रश्न 3.पाठ में खोजकर देखिएकब- सूरज का ताप यासुकीचान- और तोत्तोचान- पर पड़ रहा था, वे दोनों पसीने से तरबतर हो रहे थे और कब बादल का एक टुकड़ा उन्हें छाया देकर कड़कती धूप से बचाने लगा था। आपके अनुसार, इस प्रकार परिस्थिति के बदलने का कारण क्या हो सकता है?

उत्तरपहली- सीढ़ी से यासुकीचान- का पेड़ पर चढ़ने का प्रयास जब असफल हो जाता है तो तोत्तोचान- तिपाईसीढी- खींचकर लाई। अपने अथक प्रयास से उसे ऊपर चढ़ाने का प्रयास करने लगी तो दोनों तेज़ धूप में पसीने से तरबतर हो रहे थे। दोनों के इस अथक संघर्ष के बीच बादल का एक टुकड़ा छायाकर उन्हें कड़कती धूप से बचाने लगा। उन दोनों की मदद के लिए वहाँ कोई नहीं था। संभवतः इसीलिए प्रकृति को उन दोनों पर दया आ गई थी और थोड़ी खुशी और राहत देन का कोशिश कर रहा था।

प्रश्न 4.'यासुकी-चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यहअंतिम..... मौका था।' इस अधूरे वाक्य को पूरा कीजिए और लिखकर बताइए कि लेखिका ने ऐसा क्यों लिखा होगा?

उत्तर-'यासुकी-चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह अंतिम मौका था' लेखिका ने ऐसा इसलिए लिखा क्योंकि यासुकीचान- पोलियो ग्रस्त था। उसके लिए पेड़ पर चढ़ जाना असंभव था। उसे आगे तोत्तोचान- जैसा मित्र मिल पाना मुश्किल था। तोत्तोचान- के अथक परिश्रम और साहस के बदौलत वह पहली बार पेड़ पर चढ़ पाया था। यह अवसर मिलना और कभी असंभव था। अगर उनके मातापिता- को इसकी जानकारी मिल जाती तो कभी यह काम करने नहीं देते। शायद दोबारा ऐसा कभी नहीं कर पाते।

भाषा की बात

प्रश्न 1.दिए गए शब्दों की ध्वनियाँ अंग्रेज़ी संख्या के नामों को हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत भाषा में लिखिए। जैसे- हिंदीआठ- संस्कृति,अष्ट- अंग्रेज़ी एट।

उत्तरहिंदी - संस्कृत अंग्रेजी। दो दूवि दू। तीन त्रि थ्री

पाँच पंच फाइव। छह षष्ट सिक्स। सात सप्त सेवन

नौ नवम् नाइन

प्रश्न 2.'आना' प्रत्यय से बननेवाले चार सार्थक शब्द लिखिए।

उत्तर- घराना, चलाना, जुर्माना, रोजाना, शर्माना।

SUB.TEACHER HOD CO ORDINATOR PRINCIPAL